www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

पटना, 24 अगस्त, 2010 • अंक-48 • वर्ष-3

अर्धरात्रि क सपना आ आजादीक जश्न

बिहार क मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता क करीब जेबाक एकटा आओर प्रयास केलथि। नीतीश कुमार राजगीर मे जनता दल युनाइटेड क कार्यकर्ता क कैंप मे मोटर छोडि तांगा पर सवार भ पहुंचलाह।

पृथक मिथिला राज्य क मांग पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति क तत्वावधान मे पृथक मिथिला राज्य क मांग कए लकए मिथिलावासी शुक्रदिन दिल्ली क जंतर-मंतर पर प्रदर्शन केलथि। प्रदर्शन मे सांसद कीर्ति झा आजाद, माहेश्वर हजारी, महाबल मिश्र, विधायक अनिल कुमार झा आ डॉ वैधनाथ चौधरी भाग लेलथि। बाद मे इ सब गिरफ्तारी सेहो देलथि। एहि दौरान प्रदर्शनकारी, भीख नहीं अधिकार चाही, हमरा मिथिला राज्य चाही, क नारा लगबैत रहलथि।

सांसद कीर्ति झा आजाद कहला जे मिथिलांचल क समस्या क हल अलग राज्य स संभव अछि। क्षेत्र कए पृथक राज्य क दर्जा भेटलाक बाद आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, भाषाई आ औद्योगिक आजादी सहित बाढ़ आ सुखाड क समस्या स निदान भेटत। माहेश्वर हजारी कहला जे बिना मिथिला राज्य क मिथिलांचलक लोकक विकास संभव नहि अछि। महाबल मिश्र घोषणा केलथि जे पृथक मिथिला राज्य क लेल ओ कोनो तरह क कुर्बानी देबा लेल तैयार छथि।

अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति क अध्यक्ष वैधनाथ चौधरी कहला जे आगामी अक्टूबर-नवंबर माह मे बिहार मे विधानसभा क चुनाव हेबाक अछि। ओ मिथिलावासी क भावना क कद्र करैत राजनीतिक पार्टी स अपील केलाह जे ओ अपन घोषणा पत्र मे पृथक मिथिला राज्य क मांग कए जरूर स्थान दथि।

जखन स्कूलक लड़की सब खदेड़ देलक माओवादी कए

गया । समाद आइ स तीन साल पहिने लिखने छल जे बिहार मे माओ नहि मैकाले क धूम अछि, एकर गवाह बनल गया जिला। बिहार क गया जिला क मैगरा थाना क्षेत्र मे अवस्थित एकटा सरकारी स्कूल मे स्वतंत्रता दिवस क अवसर फ़हराउल गेल तिरंगा कए उतारिकए उल्टा फ़हरेनिहार माओवादी कए स्कूल क छात्रा सब खदेड़ कए भगा देलक। एहि घटना कए स्थानीय मीडिया छोडि सब दबा देलक। समाद जखन एहि विषय मे जानकारी लेबाक कोशिश केलक त पुलिस अधीक्षक दलजीत सिंह कहला जे मैगरा स्थित स्कूल मे तिरंगा फ़हरेलाक बाद स्वतंत्रता दिवस क बहिष्कार क अपन घोषणा कए लागू करबा लेल मोटरसाइकिल पर सवार भ चारिटा माओवादी स्कूल परिसर

पहुंचलाह आ तिरंगा कए उतारिकए ओकरा उल्टा फ़हरेबा मे लागि गेलाह। ओ राष्ट्र विरोधी नारा सेहो लगा रहल छलाह। एहि बीच स्कूलक छात्रा सबहक ध्यान माओवादी पर गेल आ ओ माओवादी स लोहा लैत तिरंगा कए सीधा फहरा चारू नक्सली कए स्कूल परिसर स खदेड़ देलथि । स्कूलक छात्रा सबहक हिम्मत देखी आसपास क अन्य ग्रामीण इकठ्ठा भ गेलाह आ ओ सेहो माओवादी सब कए खदेड़बा मे स्कूलक छात्रा सबहक मदद केलथि, एहि दौरान नक्सली गोलीबारी सेहो केलथि, मुदा कियो हताहत नहि भेल। छात्रा सब काफी दूर त नक्सलीक पाछु गेलथि आ नक्सली गतिविधि क खिलाफ़ मैगरा मे प्रदर्शन सेहो केलथि।

तारानन्द वियोगी कए मैथिली बाल साहित्य लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कार

नई दिल्ली । तारानन्द वियोगीकए मैथिली बाल साहित्य लेल पहिल साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2010 इ भेटल त की भेटल लेल देल जा रहल अछि। ई भेटल त की भेटल मैथिली लोक रंग (मैलोरंग), दिल्ली द्वारा 2008 ई. मे प्रकाशित कएल गेल अछि। ई पुरस्कार 14 नवम्बर 2010 कए बाल दिवसक अवसरपर देल जाएत। एहिमे 51 हजार टका देल जाएत। 15 जनवरी 1966 मे बदरिकाश्रम, महिषी, सहरसा मे जनमल वियोगी क पहिल पोथी अपन युद्धक साक्ष्य (गजल संग्रह) 1991 मे प्रकाशित भेल छल। अन्य पुस्तक हस्तक्षेप (कविता-संग्रह), अतिक्रमण (कथा-संग्रह), शिलालेख(लघुकथा संग्रह), कर्मधारय, ई भेटल त की भेटल। राजकमल चौधरीक कथाकृति एकटा चंपाकली एकटा विषधर संकलन-संपादन केने छथि।

पटरी पर जल्द चलत मधेपुरा क इंजन

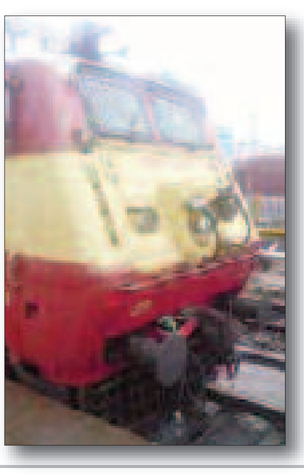

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय बिहार क मधेपुरा जिला मे रेल इंजन कारखाना लगेबाक कोशिश तेज करि देलक अछि। एकरा लेल मंत्रालय चारिटा कंपनी क दरख्वास्त छांट लेलक अछि। भारतीय वाणिज्य आ उद्योग महासंघ (फिक्की) क कार्यक्रम क दौरान जीई इन्फ्रास्ट्रक्चर क एकटा अधिकारी कहलथि जे जीई, सीमेंस, एल्स्टॉम आ बॉम्बार्डियर कए मधेपुरा कारखाना क लेल शुरुआती तौर पर चुनल गेल अछि। मानल जा रहल अछि जे एहि साल क आखिर तक एहि मे स कोनो एकटा कंपनी कए परियोजना क ठेका भेट जाएत।

एहि कारखाना पर करीब 1,960 करोड़ टका लागत आएगी आओर एहि मे सब साल 12,000 हॉर्सपावर ताकतवाला 120 आईजीबीटी बिजली इंजन बनाउल जाएत। मंत्रालय क सूत्र क कहब अछि जे बोली मांगबाक प्रक्रिया तेज करबाक कोशिश जारी अछि, उम्मीद अछि 3 साल क भीतर एहि काखाना मे उत्पादन चालू भ जाएत।

एहि बीच अधिकारी बिहार क मढ़ौरा मे डीजल इंजन बनेबा लेल प्रस्तावित कारखाना पर सेहो काज करि रहल छथि। एहि मामला मे दरख्वास्त पर विचार कैल जा रहल अछि। एहि कारखाना पर करीब 2,720 करोड़ टका खर्च हेबाक अछि आ एहि मे हर साल डीजल स चलैवाला 130टा इंजन बनाउल जाएत। मधेपुरा आ मढ़ौरा मे कारखाना लगेबा आ इंजन बनेबा मे करीब 29,000 करोड़ टका क निवेश क जरूरत अछि। मंत्रालय 8 साल क दौरान दूनू कारखाना स एक-एक हजार इंजन लेत। कारखाना लगेबा मे निजी क्षेत्र क जे कंपनी दिलचस्पी देखेलक अछि ओकरा 25 साल तक इंजन क देखभाल करै पड़त। मढ़ौरा मे कारखाना लगेबा लेल मंजूरी 2006 मे भेटल छल आ ओकर अगिला साल मधेपुरा परियोजना कए सेहो मंजूरी भेटल गेल छल। रेलवे कारखान क स्थापना क लेल निविदा अप्रैल, 2008 मे आमंत्रित केने छल। मुदा फरवरी 2009 मे मंत्रालय फैसला लेलक जे दूनू कारखाना विभागीय निर्माण इकाई क तौर पर लगाउल जाएत। मंत्रालय क एकटा वरिष्ठ अधिकारी कहला जे पिछला साल मंदी क वजह स हमरा सब कए संभावित दावेदार दिस स हल्का प्रतिक्रिया भेटल। शुरुआत मे इ परियोजना रेलवे के भीतर विकसित कैल जा रहल छल। मुदा बाद मे रेल मंत्री साझा उपक्रम क रूप मे एकरा शुरू करबाक प्रस्ताव कए मंजूरी देलथि।

रौदी क आकलन पर केंद्रीय टीम क मुहर

पटना । सूबा क 28टा जिला मे रौदीक स्थिति क जायजा लेबा लेल आयल केंद्रीय टीम राज्य सरकार कए रौदी स संबंधित आकलन रिपोर्ट पर अपन मुहर लगा देलक अछि। कृषि मंत्रालय मे संयुक्त सचिव स्तर क अधिकारी पंकज कुमार क नेतृत्व मे आयल टीम दू दिन तक लगातार सूखाग्रस्त जिला क दौरा केलक। केंद्रीय टीम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क संग बैठक करि अपन आकलन क बारे मे हुनका जानकारी देलक। पंकज कुमार कहला जे निरीक्षण क आधार पर इ पाउल गेल अछि जे धान क फसल कए काफी नुकसान भेल अछि। रोपनी मे बहुत कमी अछि आ कई ठाम त बिचड़ा क स्थिति ठीक नहि अछि। मकई पर सेहो असर पड़ल अछि। सितंबर मे तोड़ी आ दलहन क बुआई सेहो हेबाक अछि। ओ कहला जे केंद्रीय टीम राज्य सरकार स बारिश आ बुआई क अद्यतन आंकड़ा मंगलक अछि। ओ भेटला पर टीम अपन रिपोर्ट कृषि मंत्रालय कए सौंपत। कुमार कहला जे बहुत जल्द टीम अपन रिपोर्ट सौंप देत।

सरकारी अस्पताल मे होएत आब मुफ्त मे जांच

पटना। बिहार मे दुखीत लोक लेल खुशखबरी। दरअसल स्वास्थ्य मंत्री नंदकिशोर यादव घोषणा केलथि अछि जे राज्य क सब स्तर क अस्पताल मे सब तरह क जांच क मुफ्त व्यवस्था कैल जा रहल अछि। इ सुविधा सब अस्पताल मे एक समान देल जाएत। राज्य क सबटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल मे एक सितंबर स मरीज कए एक्स-रे, खून-पेशाब आ अल्ट्रासाउंड क जांच क सुविधा मुफ्त मे भेटत। रेडियोलॉजी आ पैथोलॉजी जांच क मुफ्त सुविधा 10 सितंबर स भेटत जखनकि सिटी स्कैन आ एमआरआइ जांच निशुल्क नहि होएत। ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन क तहत हर गाम मे एकटा ग्रामीण स्वास्थ्य आ स्वच्छता समिति क गठन कैल जाएत। रक्तदान क प्रति जागरूकता अनबा लेल स्वास्थ्य मंत्री सब उपकरण स लैस सातटा नव एंबुलेंस कए सेहो रवाना केलथि अछि।

गैर-शिक्षण कर्मचारी क हड़ताल समाप्त

पटना। बिहार मे गैर-शिक्षण कर्मचारी क हड़ताल समाप्त भ गेलाक बाद राज्य क करीब 246 महाविद्याल मे पिछला 50 दिन स रूकल कामकाज सामान्य भ गेल। राज्य विश्वविद्यालय आ महाविद्यालय कर्मचारी संघ क संयुक्त मंत्री राम शंकर मेहता कहला जे विश्वविद्यालय आओर महाविद्यालय मे कार्यरत सबटा गैर-शिक्षण कर्मचारी काज पर लौट आएलाह अछि। जे कर्मचारी कोनो कारणवश काज पर नहि लौटलाह अछि ओ सेहो एक-दू दिन क भीतर काज पर लौट आउताह। शिक्षा विभाग क प्रधान सचिव अंजनी कुमार सिंह आ कर्मचारी महासंघ क बीच भेल वार्ता क बाद 18टा बिन्दु पर सहमति बनल अछि जेकर बाद कर्मचारी संघ 50 दिन स जारी हड़ताल कए समाप्त करबाक घोषणा केलक। प्रधान सचिव सिंह कहला जे कर्मचारी काज पर लौटलाह आ हुनकर निलंबन रद्द करि देल गेल। उल्लेखनीय अछि जे हड़ताल समाप्त करेबा लेल राज्य क कईटा छात्र संगठन सेहो सरकार पर दबाव बनेने छल।

आब 65 मे सेवानिवृत्त हेताह प्रोफेसर साहब

पटना। विश्वविद्यालय शिक्षक कए हाईकोर्ट पैघ राहत देलक अछि। ओ आब 62 मे नहि बल्कि 65 क आयु मे सेवानिवृत्त हेताह। मुदा बढ़ल उम्र सीमा क लाभ केवल 30 जून 2010 या ओकर बाद रिटायर भेनिहार शिक्षक कए भेटत। शुक्रदिन पटना उच्च न्यायालय क न्यायाधीश नवनीति प्रसाद सिंह क पीठ इ आदेश बीआर अम्बेडकर बिहार विवि, राजेन्द्र कृषि विवि आ वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आओर अन्य शिक्षक क याचिका पर सुनवाई क बाद देलक। कोर्ट तीन दिन पहिने मामला पर सुनवाई पूरा करि फैसला सुरक्षित रखने छल। अदालत कहलक जे एहि सम्बन्ध मे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) क नियमन 30 जून, 2010 कए आबि गेल छल। ताहिलेल एहि शिक्षक कए ओहि तिथि स लाभ भेटबाक चाही। अदालत अपन 24 पृष्ठ क आदेश मे कहलक अछि जे केन्द्र सरकार क दिस स लिखल गेल पत्र आ यूजीसी पैकेज कए राज्य सरकार गंभीरता स नहि लेलक आ एकरा कैबिनेट मे सेहो सही तरीका स पेश नहि कैल गेल।

नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय क मुख्यालय नालंदा जाएत

नयी दिल्ली । सरकार कहलक अछि जे नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय क मुख्यालय कए जल्द स जल्द पटना स नालंदा स्थानांतरित कैल जाएत। मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डी पुरंदेश्वरी कहलीह जे बिहार सरकार द्वारा उपलब्ध कराउल गेल सूचना क अनुसार नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय कानून 1956 क धारा 3 (।) क तहत एकर मुख्यालय नालंदा मे उपलब्ध करेबाक प्रावधान अछि। मंत्री कहलथि जे, कानून क अनुसार बिहार सरकार विश्वविद्यालय कए यथाशीघ्र अपन मुख्यालय नालंदा स्थानांतरित करेबाक निर्देश देलक अछि। ओ कहलथि जे विश्वविद्यालय क लेल भूमि अधिग्रहण आ आधारभूत सुविधा क निर्माण क प्रक्रिया चलि रहल अछि।

बिहार क 23टा जिला मे खुलत न्यू बॉर्न यूनिट

पटना। नवजात कए अकाल मौत स बचेबा लेल राज्य क 23 जिला मे स्पेशल केयर न्यू बॉर्न यूनिट एससीएनयू खोलल जा रहल अछि। इ फैसला हर वर्ष करीब 60 हजार नवजात क जान बचेबा लेल कैल गेल अछि। एकरा लेल सबटा सिविल सर्जन कए यूनिसेफक सहयोग स दू दिन क प्रशिक्षण देल गेल अछि। एहि यूनिट मे अत्याधुनिक उपकरण जेना बिलरूबिनोमीटर, रेडिएंट वार्मर, फ़ोटोथिरेपी, सिरिंज पंप, पल्स ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन कॉनसंटेट, ग्लूकोमीटर आ ऑक्सीजन हुड सहित अन्य उपकरण लगाउल जाएत। एहि स पहिने यूनिसेफ द्वारा छहटा जिला वैशाली, सहरसा, पूर्णिया, अररिया, सुपौल आ मधेपुरा जिला मे एहन यूनिट क सेवा बहाल करि चुकल अछि।

मैथिली मे भ रहल अछि कानून क अनुवाद

दरभंगा। विधान परिषद क सभापति पंडित ताराकांत झा कहला अछि जे सब तरह क कानून क अनुवाद मैथिली मे करबाक प्रयास भ रहल अछि। ओ कहला जे एहि स भाषा मे कानूनक पुस्तक क कमी दूर होएत संगहि आम लोक कए कानून बुझबा मे सुविधा होएत। झा मैथिलीक विकास लेल कैल जा रहल प्रयास पर विस्तार स जानकारी दैत कहला जे दरभंगा रेडियो स्टेशन मे मैथिली समाचार प्रसारण क लेल न्यूज यूनिट क स्थापना क लेल ओ सूचना आ प्रसारण मंत्री स गप केलथि अछि। पंडित झा कहला जे ओ मधुबनी मे रेडियो एफएम स्टेशन स्थापित करबाक प्रयास करि रहल छथि। ओ कहला जे बिहार विधान परिषद क शताब्दी समारोह क आयोजन कैल जाएत। 22 मार्च, 2011 कए एकर शुभारंभ राष्ट्रपति करतथि। ओतहि 100 वर्ष क बिहार पर अलग-अलग खंड मे ग्रंथ क रचना क कार्य शुरू कैल गेल अछि।

एनएचएआई दूटा सडक बनेबाक प्रक्रिया शुरू केलक

नई दिल्ली । अपन कामकाज क लेल आलोचना झेल रहल राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) मे फेर स काज क सुगबुगाहट देखबा मे आबि रहल अछि। पिछला माह इ 870 करोड़ टकाक दूटा परियोजना क ठेका तय केलक संगहि 5169 करोड़ टका क बोली सेहो प्राप्त केलक अछि। जुलाई 2010 मे इ दूटा परियोजना लेल अवार्ड लेलक। एही मे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 4ए पर गोवा कर्नाटक बार्डर स बेलगांव तक क सड़क आ एनएच 77 पर मुजफ्फरपुर स सोनबरसा तक क हिस्सा शामिल अछि। एनएच 77 पर मुजफ्फरपुर स सोनबरसा तक क 82.08 किलोमीटर सड़क क परियोजना लागत 511.54 करोड़ टका तय कैल गेल अछि। एहि माह एनएचएआई 5169.08 करोड़ टकाक 11टा परियोजना लेल सेहो बोली प्राप्त केलक अछि। जाहि मे पटना स बख्तियारपुर लेल सेहो बोली लगबाक खबरि अछि। उम्मीद अछि जे अगिला माह तक एहि स संबंधित सबटा प्रक्रिया पूरा भ जाएत। एहि दौरान किछु आओर परियोजना लेल बोली आमंत्रित कैल गेल अछि जाहि मे रांची स जमशेदपुर शामिल अछि।

मुजफ्फरपुर मे लागत एलपीजी (रसोई गैस) बॉटलिंग प्लांट

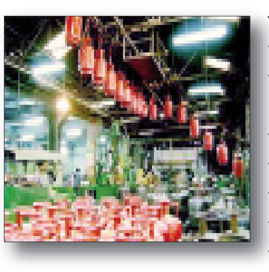

पटना । देशक सबस पैघ पेट्रोलियम कम्पनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) मुजफ्फरपुर मे 44 हजार मीट्रिक टन क्षमतावाला एलपीजी (रसोई गैस) बॉटलिंग प्लांट लगा रहल अछि, जाहि स पूरा राज्य मे रसोई गैस क मांग कए पूरा कैल जाएत। आईओसी के महाप्रबंधक (बिहार और झारखंड) बीबी चौधरी कहला जे इ प्लांट कए एहि चालू वित्तीय वर्ष मे तैयार करि लेल जाएत। चौधरी क अनुसार कंपनी बिहार मे कुल 602 करोड़ टका क निवेश करि रहल अछि। ओ कहला जे बिहार मे आईओसी क विस्तार क योजना अछि जेकर तहत कईटा योजना पर काज चलि रहल अछि आ कईटा नव योजना शुरू करबाक प्रस्ताव अछि। एहि योजना क जरिए कम्पनी अगिल तीन साल मे बिहार मे कुल 602 करोड़ टका निवेश करत। ओ कहला जे आईओसी विश्व मे चारिम आ देश मे दोसी सबसे तेज गति स विकास करैवाला कम्पनी अछि। चौधरी कहला जे कम्पनी मुजफ्फरपुर मे चालू वित्तीय वर्ष मे 44 हजार मीट्रिक टन क्षमता वाला एलपीजी (रसोई गैस) बॉटलिंग प्लांट लगेबाक संग-संग बिहार मे पेट्रोल आ डीजल क बढ़ैत मांग कए देखैत मोतिहारी, नेपाल (अमलेखगंज डिपो) आ बैतलपुर डिपो (उत्तरप्रदेश) क बीच नव पाइप लाइन बिछेबाक फैसला लेलक अछि। चौधरी कहला जे सुरक्षा आ बेहत प्रबंधन क लेल रक्सौल डिपो कए मोतिहारी ल जेबाक योजना अछि। ओ कहला जे बरौनी स्थित रिफाइनरी क विस्तार पर कम्पनी सात करोड़ टका खर्च करत।

चीनी क लेल एचपीसीएल करत करार

नई दिल्ली । देश क दोसर सबस पैघ तेल मार्केटिंग कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) बिहार मे अपन दूटा चीनी मिल मे तैयार चीनी कए बेचबा लेल सार्वजनिक क्षेत्र क एकटा कारोबारी एजेंसी स गठजोड़ करबाक कोशिश करि रहल अछि। एहि दूनू मिल क सम्मिलित क्षमता 7,500 टन प्रतिदिन अछि आ एहि मे दिसंबर स गन्ना क पेराई शुरू भ जाएत।

कंपनी क चेयरमैन आ प्रबंध निदेशक एस रॉय कहला, दूनू मिल क परिचालन दिसंबर स शुरू भ जाएत। एहि मिल स चीनी क संग एथेनॉल क उत्पादन सेहो होएत। एथेनॉल क इस्तेमाल हम अपन पेट्रोल मे मिलेबा लेल करब। एहि कारण स हम चीनी बेचबा लेल एकटा मार्केटिंग कंपनी क संग गठजोड़ पर विचार करि रहल छी।

ओ कहला जे अगर इ मिल 120 दिन चलैत अछि (उत्तर आ पूर्वी राज्य क अधिकतर चीनी मिल मे आमतौर पर एतबे दिन पेराई होइत अछि) त एचपीसीएल हर सत्र मे 80,000 स 85,000 टन चीनी क उत्पादन करि सकत। एचपीसीएल जाहि कंपनी क संग गठजोड़ पर विचार करि रहल अछि ओहि मे स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन आ राज्यस्तरीय मार्केटिंग फेडरेशन शामिल अछि। देश क तमाम दोसर चीनी उत्पादक मिल क भांति एचपीसीएल कए सेहो केंद्र सरकार क लेवी क शर्तें मानबाक अछि। मौजूदा लेवी प्रणाली क तहत मिल जेतबा चीनी उत्पादन करैत अछि ओकर 20 फीसदी हिस्सा केंद्रीय खाद्य मंत्रालय कए सब्सिडी दर पर बेचैत अछि, जेकरा सरकार बीपीएल परिवार कए वितरित करैत अछि।

चीनी उत्पादन मे आईल कमी कए देखैत मौजूदा चीनी साल मे (अक्टूबर-सितंबर) मे लेवी सीमा बढ़ाकए 20 फीसदी करि देल गेल अछि। अक्टूबर स शुरू भ रहल मौजूदा चीनी सत्र मे अगर चीनी क उत्पादन बढ़ैत अछि त लेवी कए कम कैल जा सकैत अछि।

खास गप इ अछि जे एहि दूनू चीनी मिल क संग 1000-1000 मेगावॉट क सह ऊर्जा उत्पादन संयंत्र सेहो लागि रहल अछि। एहि मिल स रोजाना करीब 60 किलोलीटर एथेनॉल क उत्पादन कैल जाएत। एचपीसीएल एहि चीनी मिल क पुनरुत्थान आ एहि मे नव सुविधा उपलब्ध करेबा लेल 600 करोड़ टका खर्च क रहल अछि। इ दूनू मिल 75 साल स बेसी पुरान अछि आ 1996 स बंद पड़ल अछि।

कहीं अहां नकली राष्ट्रध्वज त नहि फहरा देलहुं

9 तरह क झंडा क निर्माण करबाक निर्देश दैत झंडा क लंबाई क बारे मे लिखल गेल अछि जे 150 मिलीमीटर स 6300 मिलीमीटर आ 100 मिलीमीटर स लकए 4200 मिलीमीटर तक क चौड़ाई वाला झंडा क निर्माण कैल जा सकैत अछि। झंडा क आकार क अनुसार वृताकार अशोक चक्र आ ओकर परिधि क भीमर क तीलि क संख्या 24 हेबाक चाही।

आजाद भारत मे नकली सामान कोनो पैघ गप नहि रहल, मुदा जखन आजाद हिन्दुस्तान क सबस पैघ प्रतीक नकली हुए तखन आजादीक आ आजाद नागरिंक क प्रमाणिकता पर सवाल उठैत अछि। 15 अगस्त, 1947 स आइ धरि, सब चाहैत अछि जे भारतक झंडा अपन हाथ स फहराबी, मुदा सडक स ल कए दुकान तक मे भेट रहल भारतक तिरंगा नकली अछि। एहि स दुखद आओर की भ सकैत अछि जे देश क हर कोना स स्थानीय निर्माता द्वारा बनाउल गेल नकली झंडा कए फहरेबाक समाद भेट रहल अछि। आम लोक मे जानकारीक अभाव कोनो नव गप नहि अछि, मुदा सरकारी स्तर पर सेहो बहुत कम ठाम इ जानकारी अछि जे झंडा बनेबा मे भारतीय संविधान आ भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तय कैल गेल मानक क अनदेखी भ रहल अछि।

बाजार मे बिका रहल झंडा नकली अछि किया कि एहि मे प्रयुक्त रंग सेहो सही नहि होइत अछि आ कईटाक त आकार सेहो गलत होइत अछि। कानून कहैत अछि जे झंडा निर्माता क लग मे एकर मानक स संबंधित दस्तावेज हेबाक चाही ताकि वो एकर अनुरूप राष्ट्रध्वज क निर्माण करि सकथि।

दरअसल लंबा बहस क बाद स्वतंत्र भारत क राष्ट्रध्वज क रंग-रूप आ स्वरूप तय कैल गेल अछि। भारतीय मानक ब्यूरो सर्वप्रथम तिरंगा झंडा क मानक तय करैत पंजीयन संख्या आई0 एस0-1 क तहत एकरा पंजीकृत केलक। भारतीय मानक ब्यूरो दस्तावेज क अनुसार झंडा निर्माण मे प्रयुक्त कपड़ा, रंग, अशोक चक्र क संग-संग झंडा सीनिहार धागा क संबंध मे सेहो सूक्ष्म जानकारी देल गेल अछि। 1 मीटर लंबाई आ 1 मीटर चौड़ाई वाला कपड़ा क वजन 185 ग्राम स 225 ग्राम हेबाक चाही। कपड़ा बुनैत कालइ ध्यान रखबाक जरूरी अछि जे 1 डेसी मीटर लंबाई आ चौड़ाई मे धागा क संख्या 165 स 175 क बीच हेबाक चाही। एकर संगहि आईएस0-1720 वेराईटी नंबर 15 धागा स झंडा कए सीबाक निर्देश देल गेल अछि। एहिना प्रयुक्त रंग भारतीय केसरिया, भारतीय हरा रंग आ श्वेत क मानक तय कैल गेल अछि। एकर जांच स्पेक्टोफेटोमीटर स करबाक प्रावधान अछि। 9 तरह क झंडा क निर्माण करबाक निर्देश दैत झंडा क लंबाई क बारे मे लिखल गेल अछि जे 150 मिलीमीटर स 6300 मिलीमीटर आ 100 मिलीमीटर स लकए 4200 मिलीमीटर तक क चौड़ाई वाला झंडा क निर्माण कैल जा सकैत अछि। झंडा क आकार क अनुसार वृताकार अशोक चक्र आ ओकर परिधि क भीमर क तीलि क संख्या 24 हेबाक चाही।

अनन्त

ÕæÁæÚ × çÕ· æ ÚãÜ ÛæÇæ Ù· Üè ¥çÀ ç· Øæ ç· °çã × ÂØQ Ú» âãô âãè Ùçã ãô§Ì ¥çÀ ¥æ · §Åæ· Ì ¥æ· æÚ âãô »ÜÌ ãô§Ì ¥çÀÐ · æÙÜ · ãÌ ¥çÀ Á ÛæÇæ çÙ×æÌæ · Ü» × °· Ú ¥ÙM Â ÚæcÅþŠÁ · çÙ×æÌæ · çÚ â· çÍÐ

भारतीय मानक ब्यूरो क बिहार शाखा क वैज्ञानिक आ ब्यूरो प्रमुख अरविंद दत्ताक कहब अछि जे तिरंगा झंडा बनेबा लेल हाथ क कतल बुनल सूती खादी प्रयोग करबाक चाही। श्वेत पटी पर बनाउल गेल अशोक चक्र क परिधि झंडा क आकार क अनुसार हबाक चाही। चीफ इंस्पेक्टोटेट आफटेक्सटाईल एण्ड क्लोथिंग, कानपुर मापदंड क अनुसार निर्मित राष्ट्रध्वज अछि। विशेष परिस्थिति मे एहि राष्ट्रध्वज स अन्य राष्ट्रध्वज क मिलान कैल जाइत अछि। ब्यूरो तमाम मापदंड कए पूरा करनिहार खादी भंडार कए राष्ट्रध्वज बनेबाक अनुमति प्रदान करैत अछि। कमालक गप इ अछि जे आइक तारीख मे ब्यूरो देश क मात्र तीनटा खादी भंडार कर्नाटका खादी भंडार हुबली, के0डी0पी0 इन्टरप्राईजेज थाणे महाराष्ट्रा, खादी डायर्स एण्ड प्रिन्टर्स कोरग्राम बोरीवली महाराष्ट्रा कए राष्ट्रध्वज बनेबाक अधिकार देने अछि। सेहो मे के0डी0पी0 इन्टरप्राईजेज थाणे कए मात्र 1800 मीलीमीटर लंबा आ 1200 मीलीमीटर चौड़ा आकार वाला झंडा क निर्माण करबाक लाईसेंस प्राप्त अछि। ब्यूरो प्रमुख क अनुसार बिहार मे आइ धरि कोनो खादी भंडार लाईसेंस लेल आवेदन नहि देलक अछि।

बुनियादगंज खादी भंडार, सर्वोदय खादी भंडार, गिरजा खादी भंडार सहित दर्जन भरि स बेसी दुकान क मैनेजर झंडा क स्वयं निर्माण करबाक दावा करैत छथि। कईटा दुकानदार त खादी सिल्क स निर्मित राष्ट्रध्वज सेहो बेच रहल छथि। दुकानदार क अनुसार सिल्क खादी स निर्मित झंडा क काफी बिक्री भ रहल अछि। पटना जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार अनभिज्ञता जाहिर करैत कहैत छथि जेगप संज्ञान मे आयल अछि त दोषी क खिलाफ कारवाई करब, मुदा जनता कए जागरूक बनेबाक कोशिश बेसी जरूरी अछि।

गांधी संग्रहालय, पटना क मंत्री आ गांधीवादी चिंतक रजी अहमद तिरंगा झंडा कए आजाद हिन्दुस्तान क प्रतीक मानैत छथि। ओ कहैत छथि- 'हम तखन प्रमाणिक हिन्दुस्तानी बनब जखन हमरा हाथ मे संविधान क मापदंड क अनुरूप बनल तिरंगा झंडा होएत। इ मुद्दा राष्ट्रीयता स जुडल अछि।

लेखक स्वतंत्र पत्रकार आ फणीश्वरनाथ रेणु पर शोधकर्ता छथि।

जखन लालू बनलाह प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। लालू प्रसाद प्रधानमंत्री, मुलायम सिंह यादव संयोजक, आओर गोपीनाथ मुंडे लोकसभा अध्यक्ष। जी हां, सत्य मुदा असंगत। शुक्रदिन विपक्ष छद्म कार्यवाही मे नव पीएम चुनिकए सरकार क विरोध कए संकेत देबाक संग-संग विपक्ष संसद मे नव इतिहास रचि देलक। संप्रग सरकार क आचरण क खिलाफ किछु काल लेल किछु नेता अपना कए पीएम, संयोजक आ अध्यक्ष घोषित करि करीब एक घंटा तक लोकसभा क कार्यवाही चलेलथि। गौरतलब अछि जे सांसद क दरमहा आ भत्ता मे बढ़ोतरी कए लकए लालू आ मुलायम भोरे स कमान सम्हारने छलाह। जखन बिना चर्चा कए विधेयक पास भ गेल त भाजपा क सेहो सब्र टूटि गेल। कार्यवाही स्थगित भ गेल, मुदा विपक्ष क लगभग 70टा सांसद डटल रहलाह। किछु काल धरना देलाक बाद ओ सब नव सरकार क गठन करि लेलथि। सांसद करीब एक घंटस तक मॉक छद्म, कार्यवाही चलेलाह। एहि दौरान बाकायदा विधेयक पर चर्चा भेल आ स्वघोषित पीएम ओकरा खारिज करि देलथि। आब शनिदिन संसद क कार्यवाही शुरू भेला स पहिने लालू क संसद बैसत आ वेतन भत्ता क संग-संग दोसर मुद्दा पर सेहो चर्चा करत।

खबर अछि जे पीएम पद क लेल पहिने दूटा दावेदार सामने छल। लालू आ मुलायम, मुदा बाद मे मुलायम कए संयोजक सह संसदीय कार्यमंत्री बना देल गेल। लोकसभा मे भाजपा क उपनेता गोपीनाथ मुंडे कए सदन क अध्यक्ष चुनल गेल। लालू कहला जे चूंकि सरकार राष्ट्रीय अछि, ताहि लेल एहि मे कोई नेता प्रतिपक्ष नहि रहत। मुदा जखन भाजपा नेता कीर्ति आजाद कए बजबाक अवसर नहि भेटल त ओ अपना कए नेता प्रतिपक्ष घोषित करि देलथि। यानी एहि सरकार मे दबदबा ओबीसी नेता क रहल। फेर कार्यवाही शुरू भेल। मेडिकल काउंसिल विधेयक पर भाजपा क मेनका गांधी आ उदय सिंह बजलथि। माकपा नेता वासुदेव आचार्य अपना कए स्वतंत्र घोषित करैत भाषण देलथि। अंत मे लालू बतौर पीएम विधेयक कए खारिज करि देलथि।

कार्यवाही क बीच मे एकटा मार्शल अंदर आयल त ओकरा बाहर जेबा लेल कहल गेल। लालू कहला जे हुनकर सरकार मे मार्शल क जरूरत नहि अछि। लालूक भाषणक बाद कार्यवाही शनिदिन तक लेल स्थगित करि देल गेल।

बिहार पुलिस एकेडमी क शिलान्यास भेल

बिहारशरीफ । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य मे विधि व्यवस्था मे सुधार क लेल पुलिसकर्मी क कार्य क प्रशंसा करैत कहला जे दस हजार पुलिसकर्मी क शीघ्र नियुक्ति कैल जाएत आ पूर्व स लंबित ढ़ाई हजार पद कए सेहो भरल जाएत। कुमार राजगीर मे बिहार पुलिस एकेडमी क निर्माण कार्य क शिलान्यास करबाक बाद एकटा समारोह कए संबोधित करैत कहला जे 133 एकड़ भूमि मे करीब 206 करोड़ टकाक लागत स इ एकेडमी इको फ्रेंडली बनत। इ भारत सरकार क ग्रीन बिल्डिंग क मापदंड क अनुसार बनत। ओ आशा जतेलाह जे निर्धारित समय सीमा क भीतर एकर निर्माण पूरा करि लेल जाएत। मुख्यमंत्री कहला जे नालंदा विश्वविद्यालय बिल कए संसद मे पेश भ जेबा स बिहार गौरवान्वित भेल अछि। कुमार नालंदा विश्वविद्यालय क चर्चा करैत कहला जे एहि विश्वविद्यालय क पुर्नस्थापना शिक्षा क क्षेत्र मे देश-विदेश मे नव आयाम स्थापित करत। इ विश्वविद्यालय शांति क प्रतिक होएत। ओ कहला जे इ विश्वविद्यालय कई मायने मे देश क अन्य विश्वविद्यालय स अलग होएत।

बिहार क लाल क तेज कारोबारी चाल

नई दिल्ली। वेदांत अर्थात ज्ञान क पराकाष्ठा। नाम क अनुरूप अछि अनिल अग्रवाल क कंपनी वेदांत रिसोर्सेज, बॉक्साइट, तांबा, लौह-अयस्क आ संभवत: आब कच्चा तेल क धनी देश भारत मे विश्वविद्यालय स्थापित करए चाहैत अछि। भारत क एखन धरिक कारोबारी इतिहास मे तेल क एहि पैघ सौदा कए अमली जामा पहिरेनिहार अग्रवाल 50 अरब डॉलर क वेदांत रिसोर्सेज क प्रवर्तक छथि। अग्रवाल आब ब्रिटेन मे रहैत छथि, मुदा अनिल अग्रवाल क संबंध बिहार स अछि। विकीपीडिया क अनुसार 56 वर्षीय अग्रवाल मैट्रिक क परीक्षा पटना क मिलर हाई स्कूल स पास केलथि। बिहार आअ सेहो देश क सबस पिछड़ल राज्य मे स एक मानल जाइत अछि। अग्रवाल क मित्र रहल राष्ट्रीय जनता दल क प्रमुख लालू प्रसाद हाथ मे 15 साल तक बिहार क बागडोर रहल अछि।

भारत क कईटा राजनीतिज्ञ क करीबी अग्रवाल स्टरलाइट इंडस्ट्रीज क स्थापना वर्ष 1976 मे केने छलाह, जे हुनकर पहिल कारोबारी उद्यम छल। गौरतलब अछि जे लालू प्रसाद सेहो अपन राजनीतिक कॅरियर क शुरुआत 1977 मे लोकसभा लेल चुनाव जीत संसद पहुंच कए केलथि। उल्लेखनीय अछि जे वर्ष 2001-02 मे केंद्र सरकार क एकटा कंपनी खरीदलाक बाद स्टरलाइट चर्चा क केंद्र मे आबि गेल छल। कंपनी बाल्को मे 51 फीसदी हिस्सेदारी 551.5 करोड़ टका मे कीनलक जे बाद मे तत्कालीन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार लेल नासूर साबित भेल। बाद मे केंद्र मे सत्ता परिवर्तन क बाद स्टरलाइट लेल छत्तीसगढ़ स्थित कंपनी मे आओर अधिक हिस्सेदारी कीनबा मे दिक्कत भ रहल अछि।

अंक- 48, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com